IV. CORE COURSE –C 1: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 1: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल) **सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान**

इकाई–1 हिन्दी मे ंसाहित्येतिहास लखेन की परम्परा, साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख समस्याएँ, हिन्दी साहित्य मे ंकाल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई –2 आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परम्परा तथा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

इाकाई–3 आदिकाल के कवि – अमीर खुसरो, विद्यापति।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक –

- काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
- साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ0 मैनेजर पांडये
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य –उद्भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आलाचेनात्क इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
- हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य की रूपरेखा : डॉ जयनारायण मंडल
- हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुधेव सिहं
- हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ0 सभापति मिश्र
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 महेन्द्र किशोर
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 रणजीत सिंह